



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 457]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 16, 2005/कार्तिक 25, 1927

No. 457]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 16, 2005/KARTIKA 25, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2005

सं. 96/2005-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 665(अ).—अभिहित प्राधिकारी, जनवादी गणराज्य चीन और संयुक्त अरब अमीरात (जिन्हें इसमें पश्चात् विषयगत देश भी कहा गया है) में मूलतः उद्गमित या व्यापार में आयातित विट्रीफाइड औद्योगिक टाइलों से भिन्न विट्रीफाइड और पोर्सिलेन टाइलों (जिसे इसमें इसके पश्चात् विषयगत माल भी कहा गया है) जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष 6907 अथवा 6908 के अंतर्गत आती हैं, के आयात के मामले में, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 5 फरवरी, 2003 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्षों के आधार पर इस निर्णय पर पहुंचे थे कि—

(क) विषयगत देशों से भारत में विषयगत माल का सामान्य से कम मूल्य पर निर्यात हुआ है जिसके कारण पाठन हुआ है;

(ख) भारतीय उद्योग को तात्परिक क्षति हुई है;

(ग) विषयगत देशों से आयातों के कारण क्षति हुई है;

और घरेलू उद्योग से क्षति लोप करने के लिए विषयगत देशों से विषयगत माल के सभी आयातों पर प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपित करना आवश्यक समझा है;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i), तारीख 1 मई, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्यांक 73/2003-सीमाशुल्क, तारीख 1 मई, 2003 [सा.का.नि. 376(अ), तारीख 1 मई, 2003] द्वारा उक्त विषयगत माल पर प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपित किया है।

और जबकि मैसर्स गुनांगडोंग न्यूपर्ल सिरामिक ग्रुप कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) के साथ मैसर्स फोषान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य (निर्यातक) ने सीमाशुल्क टैरिफ (पाठित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाठित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के तहत उनके द्वारा किये गये निर्यातों की समीक्षा का निवेदन किया है तथा अभिहित प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 25 अगस्त, 2005 में प्रकाशित न्यू शिपर समीक्षा अधिसूचना सं. 15/3/2005-डी.जी.ए.डी. तारीख 25 अगस्त, 2005 द्वारा समीक्षा के पूरे होने तक विषयगत माल का उक्त पाठियों द्वारा सभी निर्यातों पर, अनन्तिम मूल्यांकन की सिफारिश की है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क (टैरिफ पाठित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाठित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर यह आदेश देती है कि मैसर्स फोषान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य (निर्यातक) द्वारा निर्यातित और मैसर्स गुनांगडोंग न्यूपर्ल सिरामिक ग्रुप कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) द्वारा उत्पादित, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के प्रथम अनुसूची के शीर्ष 6907 अथवा 6908 के अंतर्गत आने

वाले विषयगत माल की सभी नियर्यातें पर, उसके भारत में आयात होने पर, न्यू शिपर समीक्षा पूर्ण होने तक, उसका अनन्तिम मूल्यांकन किया जायेगा।

2. अनन्तिम मूल्यांकन के लिए ऐसी गारंटी आवश्यक होगी, जो सीमाशुल्क के सक्षम अधिकारी द्वारा समीक्षा के पूरे होने तक अभिहित प्राधिकारी द्वारा पूर्व प्रभावी रूप से प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपित करने की विधि में, अपर्याप्तता की अदायागी के लिए समुचित समझी गई हो।

3. यदि अभिहित प्राधिकारी समीक्षा के पूरे होने पर प्रतिपाठन शुल्क की सिफारिश करते हैं, आयातक, भारत में, मैसर्स फोषान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य (निर्यातक) के साथ मैसर्स गुनांगडोंग न्यूपर्ल सिरामिक ग्रुप कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) द्वारा किये गये विषयगत माल के आयातों पर, समीक्षा के प्रारंभ की तारीख से, प्रतिपाठन शुल्क की रकम अदा करने के लिए जिम्मेदार होगा।

[फा. सं. 354/214/2001-टी.आर.यू.]

अजय, अबर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, 16th November, 2005

No. 96/2005-CUSTOMS

G.S.R. 665 (E).—Whereas in the matter of import of vitrified and Porcelain Tiles, other than vitrified industrial tiles (hereinafter referred to as the subject goods), falling under headings 6907 or 6908 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from, the People's Republic of China and United Arab Emirates (hereinafter referred to as the subject countries) and imported into India, the designated authority *vide* its final findings, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 5th February, 2003, had come to the conclusion that—

- (a) the subject goods have been exported to India from subject countries below its normal value resulting in dumping;
- (b) the Indian industry had suffered material injury;
- (c) the injury had been caused cumulatively by the imports from the subject countries; and

had considered it necessary to impose anti-dumping duty on all imports of the subject goods from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry;

And, whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty on the subject goods, *vide*, notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 1st May, 2003 [G.S.R. 376(E), dated the 1st May, 2003];

And, whereas, M/s. Guangdong Newperal Ceramics Group Co. Ltd., China P.R. (producer) along with M/s. Foshan Newpearl Trade Co. Ltd., China P.R. (exporter) has requested for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of exports of the subject goods made by them, and the designated authority, *vide* new shipper review notification No. 15/3/2005-DGAD dated 25th August 2005, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 25th August, 2005 has recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by the above stated parties till the completion of the review by it;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid recommendation of the designated authority, hereby orders that pending the outcome of the said review by the designated authority, the subject goods falling under headings 6907 or 6908 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, when produced by M/s. Guangdong Newperal Ceramics Group Co. Ltd., People's Republic of China and exported by M/s Foshan Newpearl Trade Co. Ltd., People's Republic of China and imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed.

2. The provisional assessment may be subject to such security or guarantee as the proper officer of customs deems fit for payment of the deficiency, if any, in case a definitive anti-dumping duty is imposed retrospectively, on completion of investigation by the designated authority.

3. In case of recommendation of anti-dumping duty after completion of the said review by the designated authority, the importer shall be liable to pay the amount of such anti-dumping duty recommended on view and imposed on all imports of subject goods into India from M/s. Guangdong Newpearl Ceramics Group Co. Ltd., China P.R. (producer) along with M/s. Foshan Newpearl Trade Co. Ltd., China P.R. (exporter), from the date of initiation of the said review.

[F. No. 354/214/2001-TRU]

AJAY, Under Secy.